



# Sant Longowal Institute of Engineering and Technology

## (Deemed-to-be-University)

### Longowal, Dist. Sangrur, Punjab – 148106

<b><u>CODES OF PROFESSIONAL ETHICS FOR TEACHERS</u></b>	<b><u>शिक्षकों के लिए व्यवसायिक नैतिकता</u></b>
<p>Teaching is a noble and devout profession which tends to instill in students — knowledge and values. The profession further requires that his/her precepts and practices should reflect idealism, perfection and proficiency.</p> <p><b><u>Teachers would:</u></b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. perform duties, in the form of teaching, tutorial, practical, seminar, research work entrusted by the Institute with diligence, dedication and punctuality.</li> <li>2. contribute to professional growth through continuous research and presentations in conferences, seminars and professional meetings.</li> <li>3. co-operate and assist in the admission, examination, supervision, invigilation and evaluation process of the Institute.</li> <li>4. co-operate in the formulation of policies of the Institute by accepting various offices and discharge responsibilities which such offices may demand.</li> <li>5. abide by Act, Statutes, Ordinances, rules, policies, procedures of the Institute and respect its ideals, vision, mission, cultural practices and traditions.</li> <li>6. adhere to responsible conduct and behaviour expected of them by the society.</li> <li>7. create a conducive teaching–learning environment through innovative practices and knowledge sharing.</li> <li>8. act as role models for students by displaying good conduct and character.</li> <li>9. act as friends, philosophers and mentors of students in identifying their potentials and encourage them to improve their personality and contribution to the community welfare, environment and national heritage.</li> <li>10. encourage students to actively participate in activities of national priorities.</li> <li>11. respect the rights and dignity of the students in expressing his/her opinion.</li> <li>12. refrain from harassment of students in any form.</li> <li>13. deal justly and impartially with students regardless of their religion, caste, and political, economic, social and physical characteristics.</li> <li>14. refrain from taking any other employment and commitment including private tuitions and coaching classes which are likely to interfere with their professional responsibilities.</li> <li>15. behave with dignity and with staff and fellow colleagues.</li> </ol>	<p>शिक्षण, एक महान और धर्मनिष्ठ कार्य है जो छात्रों में ज्ञान और मूल्यों का संचार करता है यह आवश्यक है कि उनके उपदेश और व्यवहार, आदर्शवाद, पूर्णता और प्रवीणता को प्रतिबिंबित करें।</p> <p><b>शिक्षक अनुपालन करेंगे:-</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>1. संस्थान द्वारा प्रदत्त शिक्षण, पठन-पाठन व शोध कार्यों का निर्वहन पूर्ण लगन, मेहनत और समर्पण के साथ करें।</li> <li>2. सम्मेलनों, संगोष्ठियों और व्यवसायिक बैठकों में निरंतर भागीदारी व शोध के माध्यम से व्यवसायिक विकास में योगदान करना।</li> <li>3. संस्थान में प्रवेश, परीक्षा, पर्यवेक्षण, निरीक्षण और मूल्यांकन प्रक्रिया में सहयोग और सहायता करना।</li> <li>4. विभिन्न कार्यों को स्वीकार कर संस्थान की नीतियों के निर्माण में सहयोग करना और ऐसे कार्यों का निर्वहन जिम्मेदारी से करना।</li> <li>5. संस्थान के अधिनियम, विधियों, अध्यादेशों, नियमों, नीतियों, प्रक्रियाओं का पालन करना और इसके आदर्शों, दूरदर्शिता, लक्ष्य सांस्कृतिक प्रथाओं और परम्पराओं का सम्मान करना।</li> <li>6. समाज द्वारा उनसे अपेक्षित जिम्मेदार आचरण और व्यवहार का पालन करना।</li> <li>7. नवीनतम तरीकों और ज्ञान सांझा करने के माध्यम से पठन-पाठन का वातावरण बनाना।</li> <li>8. अच्छे आचरण और चरित्र प्रदर्शन द्वारा छात्रों के आदर्श के रूप में कार्य करना।</li> <li>9. छात्रों की क्षमता की पहचान करने के लिए मित्र, दार्शनिक और सलाहकार के रूप में कार्य करें, और उन्हें अपने व्यक्तित्व विकास और समुदाय कल्याण, पर्यावरण और राष्ट्रीय विरासत में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करें।</li> <li>10. छात्रों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।</li> <li>11. अपनी राय व्यक्त करने में छात्रों के अधिकारों और गरिमा का सम्मान करें।</li> <li>12. छात्रों की किसी भी रूप में प्रताड़ित करने से बचें।</li> <li>13. छात्रों के साथ उनके धर्म, जाति, राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक और भौतिक विषयों पर न्यायपूर्ण और निष्पक्ष व्यवहार करें।</li> <li>14. निजी ट्यूशन और कोचिंग कक्षाओं सहित किसी भी अन्य रोजगार और कार्य को लेने से बचना चाहिए ताकि उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी का निर्वहन प्रभावित होने की संभावना न हो।</li> <li>15. सह-कर्मचारियों और अन्य साथियों के साथ गरिमा और शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार करें।</li> </ol>